

18 7
25

धौलपुर (राज०)

पशावली में (इसे) प्राचीन काल में उपस्थित नहीं
न ही प्राचीन उपस्थित। प्राचीन व उसने काल को
रक्त-रक्त में आवाज लगानी नहीं। कोई उपस्थित
नहीं। अतः पशावली अक्षर - पंथी, अक्षर हाजरी में
धारित की जाती है। पशावली फंसल सुधार होकर ~~कलव~~
के अक्षर खिल फंसल हो। न अक्षर से कम हो।

उपखण्ड अधिकारी
धौलपुर (राज०)